DSE-01

ORIGIN OF THEORIES OF RELIGION-FRAZER

Dr. Utpal Kumar Chakraborty
Department of Sociology
ABM College, Jamshedpur

धर्म का प्रादुर्भाव

धर्म कैसे शुरू हुआ?

धर्म कैसे विकसित हुआ?

यह विकासवादी चिन्तन डार्विन के विकासवाद सिद्धांत से प्रभावित था।

फ्रेज़र का सिद्धान्त

फ्रेज़र के मतानुसार सर्वप्रथम आदिम मनुष्यों ने जादू-टोने (magic) के द्वारा प्रकृति पर नियन्त्रण करके अपने उद्देश्यों की पूर्ति करने का प्रयत्न किया और असफल होने पर यह मान लिया कि 'संसार' में उनसे भी कोई अधिक शक्तिशाली है जो उनके प्रयत्नों को व्यर्थ करता है

इस कारण उस शक्ति पर जादू-टोने के द्वारा शासन करना कदापि सम्भव नहीं। इस धारणा के फलस्वरूप ही वह उस शक्ति पर शासन करने की इच्छा त्यागकर उसकी आराधना करने लगा और इसी से धर्म की उत्पत्ति हुई।

संक्षेप में, फ्रेज़र के अनुसार धर्म की प्राथमिक अवस्था (initial primacy) जादू-टोना था। जादू-टोने से निराश होकर ही लोगों ने धर्म की शरण ली थी। इस प्रकार धर्म प्रकृति के द्वारा पराजित मनोवृत्ति का ही परिणाम है।